Raj Express (Indore), 07th January 2024, Page - 02

आईआईटी इंदौर में रूरल इनोवेटर्स कॉन्क्लेव की शुरुआत

कॉन्क्लेव में उत्पाद प्रस्तुत किए गए

जनजातीय आजीविका के लिए तकनीकी नवाचार 'तितली'

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में दो दिवसीय रूरल इनोवेटर्स कॉन्क्लेव की शुरुआत शनिवार से हुई। इसके माध्यम से इनोवेटर्स और उद्यमियों के एक बड़े समूह को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, उसके माध्यम से सहायता करने और ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपने नवाचारों को लेकर विचार साझा करने का एक मंच प्रदान किया है। जनजातीय आजीविका के लिए तकनीकी नवाचार कार्यक्रम तितली के तहत, संस्थान ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की जरूरतों को समझने और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान विकसित करने के लिए क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। उनकी जरूरतों को समझने और व्यवहार समाधान खोजने के लिए इंदौर और मध्यप्रदेश के आस-पास के उद्योगों के साथ भी मिलकर काम कर रहा हैं।

14 से अधिक इनोवेटर्स ने किया इनोवेशन का प्रदर्शन: इस दौरान, प्रतिभागियों ने कॉन्क्लेव में अपने उत्पाद प्रदर्शित किए, ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत करवाया और उनके लिए संभावित समाधान बताए। कॉन्क्लेव में ग्रामीण इनोवेटर्स के सामने आने वाली चुनौतियों और आने वाले 10 वर्षों में अपेक्षित ग्रामीण इनोवेशन पर चर्चा शामिल रही। इसके अलावा, इस अवसर पर 14 से अधिक इनोवेटर्स ने भी अपने इनोवेशन का प्रदर्शन किया। यह कॉन्क्लेव ग्रामीण विकास व प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी इंदौर द्वारा विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया।

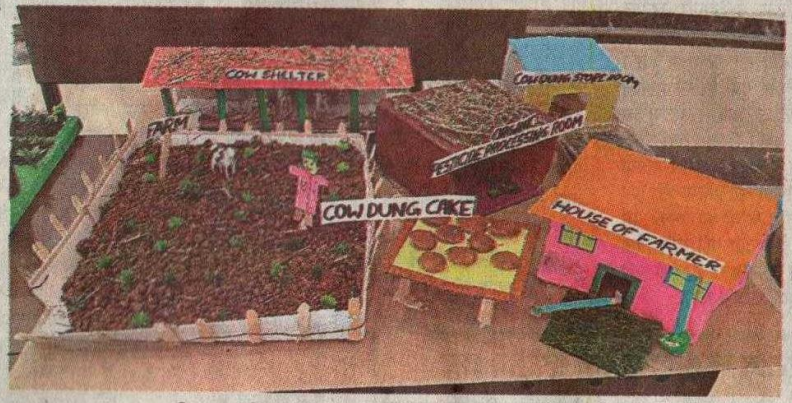

कई एप विकसित करने के अंतिम चरण में

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, आईआईटी इंदौर ग्रामीण भारत के सामने आने वाली समस्या की पहचान करने के लिए आस-पास के संस्थानों और संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम सहभागिता, सतत, पारदर्शी और लैंगिक-संवेदनशील प्रक्रियाओं को अपनाकर लोगों के उचित और अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास औरअनुप्रयोग के माध्यम से उनकी जीवन स्थितियों को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। हम कई एप विकसित करने के अंतिम चरण में हैं, जो किसानों को भू-जल प्रबंधन और सोयाबीन के पौधों और आलू की फसलों में बीमारी और कीड़ों की पहचान करने में काफी मदद करेंगे।

आसान इंटरफेस

उन्होंने कहा ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी इंदौर का लक्ष्य कौशल विकास, लघु-स्तरीय उद्यमिता, मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास, लैंगिक विविधता के लिए पहुंच व अवसर और विभिन्न ग्रामीण गतिविधियों से जुड़े ई-प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए उपयोगकर्ता के लिए आसान इंटरफेस विकसित करना है, जिनके लिए ग्रामीण उद्यमियों को प्रौद्योगिकी तक आसान पहुंच के साथ अपने उत्पादों को विकसित करने और बेचने में मदद करने और कौशल व आउटरीच के बीच अंतर को सुविधाजनक बनाने के लिए बड़े समुदायों तक पहुंच की आवश्यकता होती है।

यह भी हुए शामिल: इस अवसर पर प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार, सीआरडीटी आईआईटी दिल्ली, डॉ. देबप्रिया दत्ता, प्रमुख और वरिष्ठ सलाहकार-सीड डिवीजन, डीएसटी, डॉ. नेहा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार, राज्य नीति और योजना आयोग, मप्र, प्रोफेसर पारुल ऋषि, आईआईएफएम भोपाल,सिद्धार्थ जैन, सीईओ, इंदौर जिला पंचायत, भारती ठाकुर, सचिव, नर्मदा, प्रोफेसर संदीप चौधरी, डीन (प्रशासन) और डॉ. देबायन सरकार, प्रमुख सीआरडीटी ने भाग लिया।